

किसी संख्या से भाग देने पर प्राप्त भागफल, अनगित, संख्यातीत।

असंख्यात वि. (तत्.) 1. बिना गिना हुआ 2. न गिनने योग्य, अगणित, अनगिनत 3. संख्यातीत, इतना अधिक कि गणना असंभव हो जाए।

असंख्येय वि. (तत्.) दे. असंख्यात।

असंग वि. (तत्.) 1. किसी से संबंध न रखने वाला, सबसे पृथक्, बिना साथ का, अकेला, एकाकी 2. आसक्ति से रहित, माया-रहित पुं. एकाकीपन, निःसंगता।

असंगजनन पुं. (तत्.) प्राणि. जनन का एक प्रकार जिसमें अर्धसूत्री विभाजन एवं युग्मकों का संलयन नहीं होता है वि. पौधों में इस प्रकार का जनन प्रायः दिखलाई पड़ता है, जड़ से ही नए पौधे का जन्म।

असंगत पुं. (तत्.) 1. अनुचित, जो संगत या अनुकूल न हो, किसी से मेल न खाने वाला, मूल से संगति न रखने वाला, अनुप्रयुक्त 2. अलग, असंबद्ध, प्रतिकूल 3. असमान 4. उजड़ वि. संगत।

असंगति स्त्री. (तत्.) 1. असंगतता, असंबद्धता, अनुपयुक्तता, अनौचित्य 2. क्रमहीनता 3. अर्थालंकार का एक भेद जिसमें कार्य-कारण, देश-काल संबंधी असंगति का वर्णन होता है वि. संगति।

असंगम पुं. (तत्.) 1. संग का अभाव 2. अनासक्ति 3. बेमेलपन 4. पार्थक्य वि. (तत्.) 1. अलग 2. बेमेल।

असंगी वि. (तत्.) 1. असंबद्ध 2. बिना लगाव का 3. विरक्त।

असंचय पुं. (तत्.) 1. संचय का अभाव 2. संचय या जमा करने में अरुचि वि. आवश्यक वस्तुओं से रहित वि. संचय।

असंचयी वि. (तत्.) 1. संचय की प्रवृत्ति जिसमें न हो, असंचयिक 2. जो सब कुछ खर्च कर देता हो पर भविष्य के लिए कुछ न बचाता हो।

असंचर वि. (तत्.) 1. (ऐसा रास्ता) जिसमें संचरण कठिन हो 2. जिस (रास्ते) पर कोई आता-जाता न हो।

असंचारी रोग पुं. (तत्.) वे रोग जो संसर्ग या संक्रमण से नहीं होते।

असंज्ञ वि. (तत्.) 1. बिना नाम वाला, अनाम 2. संज्ञा-रहित, चेतनाविहीन 3. मूर्छित।

असंज्ञेय वि. (तत्.) जिसका संज्ञान न लिया जा सके, जिसे समझना कठिन हो विधि. 1. न्यायालय या पुलिस विश्राम के अधिकार क्षेत्र से बाहर का (अपराध) 2. अनाम।

असंत वि. (तत्.) बुरा, दुर्जन, खल, दुष्ट, असाधु वि. संत पुं. दुष्ट व्यक्ति।

असंतत वि. (तत्.) जो लगातार न हो, विच्छिन्न, विशृंखल।

असंतत घटक पुं. (तत्.) भाषा. क्रिया या संज्ञा पदबंध आदि घटक जिसमें सन्निधि नहीं होती और जिनके अपने घटकों के बीच अन्य घटक आ जाते हैं, जैसे 'तुमने' के बीच 'ही' का आ जाना 'तुम्ही ने'।

असंतति वि. (तत्.) जिसके संतति या बच्चे न हों, निस्संतान स्त्री. (तत्.) सतत या निरंतर न होने की स्थिति, अनैरंतर्य।

असंतव्य वि. (तत्.) जिसे क्षमा न किया जा सके। अक्षम्य।

असंतुलन पुं. (तत्.) संतुलन के न होने की स्थिति। दो परस्पर-संबद्ध और पारस्परिक प्रभाव डालने वाले तत्वों के बीच संतुलन या साम्यावस्था का न हो पाना।

असंतुष्ट वि. (तत्.) 1. जिसे संतोष न मिले, जो संतुष्ट न हो, अतृप्त 2. जिसकी इच्छा पूरी न हुई हो वि. संतुष्ट 3. क्रुद्ध, रुष्ट।

असंतुष्टि स्त्री. (तत्.) 1. संतोष का अभाव 2. अतृप्त 3. अप्रसन्नता 4. रोष वि. संतुष्टि।